

“संस्कृतं संस्कारयति विश्वम्”



## ५वीं राष्ट्रिय संस्कृत पत्रकार संगोष्ठी

भारतीय संस्कृत पत्रकार संघ [पञ्जी.] और बी.ए.पी.एस्.स्वामिनारायण शोधसंस्थान का संयुक्त

अनुष्ठान

विषय - “सामाजिक संचार-माध्यमों में संस्कृत”

दिनांक - १० एवं ११ दिसम्बर [ गुरु-शुक्र] २०१५

संगोष्ठी-स्थान- स्वामिनारायण अक्षरधाम, [प्रवेश-गेट-४ से] एन्.एच्.-२४, दिल्ली-११००९२.

**आप सादर आमन्त्रित हैं**

+++ कार्यक्रम +++

१०-दिसम्बर'२०१५ ...

प्रातः ८.३० बजे - प्रातः जलपान

९.३० बजे -

पञ्जीकरण [प्रमुख-स्वामी सभागृह]

**उद्घाटन-विधि - १० से ११.३० बजे तक**

मङ्गल-दीप-प्रज्वालन-

आदरणीय अतिथियों द्वारा

वैदिक-मङ्गलाचरण -

डॉ. ऋषिराज पाठक

[ उद्घाटन-विधि के आदरणीय अतिथियों का स्वागत ]

स्वागत-प्रस्तावना-

डॉ.बलदेवानंद सागर [ महासचिव, भा.सं.प.सं.]

अध्यक्ष -

पद्मश्री आचार्य डॉ.रमाकान्त शुक्ल [ अध्यक्ष, भा.सं.प.सं.]

मुख्यातिथि -

डॉ.साधु भद्रेशदास जी [अध्यक्ष,बीएपीएस स्वामिनारायण शोध संस्थान,अक्षरधाम,न.दिल्ली]

[बीज-वक्तव्य]

विशिष्टातिथि-

षड्-दर्शनाचार्य साधु श्रुतिप्रकाशदास जी महाराज

[उद्घाटन-वक्तव्य]

- [निदेशक, आर्ष संशोधन केन्द्र, अक्षरधाम, गान्धीनगर

सारस्वत-अतिथि -

प्रो.रमेशकुमारपाण्डेय

[कुलपति, श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि. नई दिल्ली]

आधार-वक्तव्य-१-

डॉ.सम्पदानंद मिश्र

[निदेशक, एस्.ए.एफ्.आई.सी,

-श्रीअरविन्द सोसाइटी, पाण्डिचेरी]

आधार-वक्तव्य-२-

प्रो.हिमांशु पोटा

[एसो.प्रो., न्यू साउथ वेल्स

- विश्वविद्यालय, केन्बरा, आस्ट्रेलिया ]

विद्वत्-समारोह -

श्रीवसन्त अनन्त गाङ्गिल जी,

संस्थापक-सम्पादक "शारदा", पुणे

ग्रन्थ-लोकार्पण -

[१] "प्राची प्रजा"इति अन्तर्जालपत्रिकायाः "शास्त्रमञ्जूषा" इति

-षाण्मासिकशोधपत्रसंभागस्य लोकार्पणम्

[२] *THE CURIOUS HATS OF MAGICAL MATHS : Vedic*

*Mathematics for Schools (2 parts) by James Glover*

धन्यवाद-ज्ञापन -

डॉ.चन्द्रभूषण झा

[कोषाध्यक्षः, भा.सं.प.सं.]

[ प्रत्येक आदरणीय वक्ता को १०-मिनिट्स् की मर्यादित अवधि की विनम्र प्रार्थना]

संस्कृत-ग्रन्थ-प्रदर्शनी का उद्घाटन -

सम्माननीय-अतिथियों द्वारा

**[ संस्कृत-ग्रन्थ प्रदर्शनी का आयोजन, अ.भा.सं.प्रकाशक सङ्घ के सौजन्य से ]**

११.३० से ११.४५ तक ....

चाय-पान

प्रथम-सत्र ....

११.४५ से १.१५ मध्याह्न तक

[ विषय- संगणनात्मक भाषाशास्त्र ]

अध्यक्ष- प्रो. गिरीशनाथ झा

- संगणनात्मक भाषाशास्त्र, संस्कृताध्ययन विशिष्ट केन्द्र,

-जे.एन.यू. नई दिल्ली

सहाध्यक्ष- डॉ.सुभाषचन्द्र

- संगणनात्मक भाषाशास्त्र, संस्कृत विभाग-दिल्ली वि.वि. नई दिल्ली

संचालक - डॉ. सुजानकुमार-महान्ती

- मुख्य-सम्पादक, "ई-पत्रिका "प्राची प्रजा", बलाहर, हिमाचल प्रदेश

शोध-पत्र....१+२+३+४+५

[प्रत्येक शोधपत्र-प्रस्तुति के लिए ७-मिनिट्स्]

### Computational Linguistics

[1] Big Data & the Language of Gods -

Prof Girishnath Jha

[2] Different Aspects of Computational Linguistics -

Dr. Subhash Chandra

[3] Various apps for Sanskrit -

Shri Narendra Gehlaut, Dr.Sampadanand Mishra & Shri Prashant Tiwari

मध्याह्न-भोजन - १.१५ से ०२- बजे तक

द्वितीय- सत्र ०२ से ०३.३० बजे तक

[ विषय- संस्कृतपत्रकारिता- संभावनाएँ और प्रासंगिकता ]

अध्यक्ष- डॉ.चन्द्रगुप्त वर्णेकर - प्रबन्ध-सम्पादक, "संस्कृत-भवितव्यम्", नागपुर  
सह-अध्यक्ष- डॉ. अश्विनीकुमार शास्त्री - सम्पादक, नवभारत टाइम्स, नई दिल्ली  
संचालक- डॉ.बिपिनकुमार झा - मुख्य-सम्पादक, "ई-पत्रिका "जाह्नवी"

शोध-पत्र....१+२+३+४+५+६+७

[प्रत्येक शोधपत्र-प्रस्तुति के लिए ७-मिनट्स]

[1] भावात्मिका पत्रकारिता - Dr Lalit Patel  
[2] Observations on the language used in Sanskrit News - Dr Dipesh Vinod Kataria  
[3] आधुनिक-काले संस्कृत-पत्रकारिताया उपयोगिता- डॉ.घनश्याम बैरवा  
[४] संस्कृत-वार्ता-कर्मियों के लिए प्रौद्योगिकी ज्ञान की अनिवार्यता- गवीश द्विवेदी  
[५] श्रोता अथवा दर्शक की दृष्टि में संस्कृत-वार्ता- डॉ.अमितकुमार शर्मा  
[६] प्रौद्योगिकी के नूतन परिवेश में संस्कृत-पत्रकारिता- डॉ.ऋषिराज पाठक  
[७] बीसवीं शती की प्रमुख संस्कृत पत्र-पत्रिकाएँ - डॉ.प्रवेश सक्सेना

तृतीय-सत्र - ०३.३० से ०४.३० बजे

[ विषय- संस्कृत-अध्ययन के उपकरण ]

अध्यक्षा - डॉ.अम्बा कुलकर्णी - प्राचार्या, हैद्राबाद वि.वि., संस्कृत-विभाग.हैद्राबाद  
सह-अध्यक्ष- डॉ. श्यामला - सम्पादिका "रसना", कोझीकोड, केरल  
संचालक- पी.सञ्जीवः - संस्कृत-शोधार्थी

शोध-पत्र....१+२+३+४+५+६ [प्रत्येक शोधपत्र-प्रस्तुति के लिए ७-मिनट्स]

[1] Sanskrit-Hindi Translator - P. Sanjeev & Dr Amba Kulkarni  
[2] Some learning tools for Sanskrit Education - Martin Gluckman  
[3] Sanskrit E-learning – Venkatasubramanian- Vyoma Labs  
[4] A new approach to learning Sanskrit- G S.S Murthy

चतुर्थ-सत्र ०४ से ०५.१५ बजे तक

अध्यक्ष- डॉ.रमाकान्त गोस्वामी - मुख्य-सम्पादक "संस्कृत-रत्नाकर"  
सह-अध्यक्ष- डॉ.जीतराम भट्ट - सम्पादक- "दिशा-भारती"  
संचालक- डॉ.राधावल्लभ शर्मा - राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, बलाहर, हिमाचल प्रदेश  
शोध-पत्र....१+२+३+४+५+६ [प्रत्येक शोधपत्र-प्रस्तुति के लिए ७-मिनट्स]

## - Sanskrit on Internet

|   |                        |
|---|------------------------|
| [१] Antarjaalasancaaramaadyameshu Sanskritm - | Dr.Sugyankumar Mahanty |
| [२] Practical Sanskrit in Social Media -      | Shashikant Joshi       |
| [३] Sanskrit Maxims in Logos -                | M. V. Ramana           |
| [4] संस्कृतहिताय एक उपायः -                   | शान्ताराम भास्करभट्टः  |

बाल-संस्कृत-कविता-पाठ-समारोह - सायं ०५.१५ से ०६ बजे तक

०६ से ०८.०० तक -

अक्षरधाम-मन्दिर-दर्शन

०८.१५ - रात्रिभोजन

दिनांकः - ११-दिसम्बर'२०१५ [ नाश्ता -०८.३० प्रातः ]

पञ्चम-सत्र [ विशिष्ट-सत्र ] प्रातः -०९.३० से ११ बजे तक

|                         |   |
|-------------------------|---|
| अध्यक्ष-                | आचार्य रवीन्द्र नागर                          |
| सह-अध्यक्ष-             | डॉ.सम्पदानन्द मिश्र                           |
| संचालक-                 | श्री नरेन्द्र गेहलोत                          |
| शोध-पत्र....१+२+३+४+५+६ | [प्रत्येक शोधपत्र-प्रस्तुति के लिए ७-मिनिट्स] |

## - Modern Use of Ancient Knowledge

|   |                          |
|---|--------------------------|
| [१] SulbasutraaNi -                                 | Dr. Daya Shankar Tiwary  |
| [२] Purva Mimansa -                                 | Dr. Ram Prakash Das      |
| [३] Acupuncture in raining -                        | Raghavendrchar           |
| [4] The Teaching of Sanskrit at St James Schools! - | R P Jain                 |
| [5] A Tryst of Visual Design with Sanskrit -        | Varad Arya & Richa Tyagi |
| [6] Presentation by CIF-                            | Manisha Makhecha         |
| [७] प्राचीन खेल एवं शिक्षा -                        | अमन गोपाल सुरेका         |

षष्ठ-सत्र - ११ से ०१.३० मध्याह्न [विशिष्ट-सत्र]

[ संस्कृत-पत्रकारिता में महिला-पत्रकारों का योगदान ]

|                                    |  |
|------------------------------------|--|
| अध्यक्षा - सुश्री रोहिणी बक्षी     | -अन्तर्राष्ट्रीय-पत्रकार, सामाजिक संचार माध्यम, लण्डन. |
| सह-अध्यक्षा- श्रीमती लीना मेहन्दळे | - विख्यात विदुषी-पत्रकार                               |
| संचालिका - लीना रस्तोगी            | - सम्पादिका "संस्कृत-भवितव्यम्", नागपुर                |
| शोध-पत्र....१+२+३+४+५+६            | [प्रत्येक शोधपत्र-प्रस्तुति के लिए ७-मिनिट्स]          |

|   |  |
|---|--|
| [१] संस्कृत-पत्रिका-सम्पादन के अनुभव-                                   | वीणा गानु, सह-सम्पादिका, "संस्कृत-भवितव्यम्", नागपुर |
| [२] सामाजिक-सञ्चार-माध्यमों में संस्कृत -                               | PPT-presentation by सुश्री रोहिणी बक्षी, लण्डन       |
| [३] संस्कृतके अभ्युदयमें माध्यमोंकी भूमिका-पठामि संस्कृतम् : एक प्रयोग- | श्रीमती लीना मेहन्दळे, पुणे                          |
| [४] संस्कृत की साधना में "रसना" -                                       | डॉ.के.श्यामला, सम्पादिका "रसना", कोझीकोड, केरल       |
| [5] महिला संस्कृत-पत्रकार   | -प्रो.कमला भारद्वाज, श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि., दिल्ली  |

मध्याह्न-भोजन - ०१ से ०२ बजे तक

[भा.सं.प.सं. की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का चुनाव - ०१.३० से ०२ बजे तक ]

०२ से ०३ बजे तक - [ पोस्टर-सत्र ]

अध्यक्ष- डॉ.सुभाष चन्द्र

सहाध्यक्ष- डॉ.सम्पदानन्द मिश्र

संचालक - भूपेन्द्र और साक्षी

०३ से ०४ बजे तक - [परिचर्चा-सत्र]

अध्यक्ष- पण्डित वसन्त अनन्त गाङ्गिल

- सम्पादक "शारदा"

सहाध्यक्ष- पण्डित गुलाम दस्तगीर बिराजदार

- सम्पादक "विश्वभाषा"

संचालक - अय्यम्पुङ्गा हरिकुमार

- सम्पादक "सम्प्रति वार्ता:"

सहभागिनः - [१] डॉ. सत्यपाल नारङ्ग [२] डॉ.भरत गुप्त [३] डॉ.रामप्रकाश दास एवं उपस्थित अन्य प्रतिनिधि

**समापन-समारोह- ०४.३० से...**

[समापन-विधि के अतिथि ]

अध्यक्ष -

श्री चान्दकिरण सलूजा

- संस्कृत-भारती, अखिल भारतीय अध्यक्ष

मुख्यातिथि -

पद्मविभूषण आदरणीय श्रीजगद्गुरु स्वामीरामभद्राचार्य जी महाराज - मनीषी-विद्वान

विशिष्टातिथि-

देवर्षि कलानाथ शास्त्री जी

- सम्पादक, "भारती", जयपुर

विशिष्टातिथि-

पण्डित गुलाम दस्तगीर बिराजदार

- सम्पादक, "विश्वभाषा"

आशीर्वचन-

डॉ.साधु भद्रेशदास जी महाराज [अध्यक्ष,बीएपीएस स्वामिनारायण शोध संस्थान,अक्षरधाम,न.दिल्ली]

सारस्वत-अतिथि -

प्रो.परमेश्वर नारायण शात्री

-कुलपति, रा.सं.सं., दिल्ली

सान्निध्य -

पण्डित वसन्त अनन्त गाङ्गिलः

-सम्पादकः, "शारदा"

धन्यवाद-ज्ञापन - डॉ.जे.एम.दवे

-निदेशक, स्वामिनारायण अक्षरधाम शोध संस्थान, दिल्ली

+++

+++

+++